भारत की खोज

पाठ - 5 नयी समस्याएँ

शब्दार्थ

भारतीयकरण - भारत के रीति-रिवाज अपनाना
अधिराज - सम्राट
अधीनता - किसी के अधिकार में रहना
हस्तक्षेप - दखल देना
मालगुज़ारी व्यवस्था - एक प्रकार की कर नीति
राजस्व - कृषि पर लगाया गया कर
रुझान - रुचि
समन्वय - मेलजोल
जन-भाषा - आम जनता द्वारा बोली जाने वाली भाषा
रूढ़िवादिता - प्राचीन रीति-रिवाज
आत्मसात - अपनाना
एकेश्वरवाद - एक ईश्वर की सत्ता को मानना
बहुदेववाद - बहुत से देवी-देवताओं में विश्वास रखना
चोटी के - माने हुए
मौलिक उद्भावनाएँ - विशेष विचार
वास्तुशिल्पी - भवन निर्माण करने वाला
स्वप्नदर्शी - स्वप्न देखने वाला
अदम्य - बलशाली
दमन - नाश
शहजादा - राजकुमार, युवराज, राजा का पुत्र

Scanned with CamScanner

प्रश्न - उत्तर

1. बाबर कौन था?

उत्तर - भारत में मुगल शासन की नींव रखने वाला 'बाबर' था। उसने भारत पर चार वर्ष तक शासन किया।

2. अकबर ने कब और किसके बाद भारतीय शासन की डोर सँभाली?

उत्तर - अकबर ने 1531 में बाबर के पश्चात् मुगल सत्ता की डोर सँभाली।

3. अकबर का उद्देश्य क्या था?

उत्तर - अकबर भारत का एक सफल शासक रहा। लोग उसे अत्यधिक पसंद करते थे। उसका उद्देश्य था 'अखंड भारत' की स्थापना करना जहाँ राजनीतिक अखंडता के अलावा लोगों में आपसी संबंध हो।

4. अकबर ने कैसे धर्म की नींव रखी?

उत्तर - अकबर सभी धर्मों में बराबर विश्वास रखता था। वह भारत में धार्मिक एकता कायम करना चाहता था। इसीलिए उसने सभी धर्मों की अच्छी बातों का समन्वय कर 'दीन-ए-इलाही' धर्म की स्थापना की।

5. मुगल शासन-काल के दो प्रमुख हिन्दी कवियों के नाम बताइए।

उत्तर - मुगल शासन-काल के दो प्रमुख हिन्दी कवि थे - मलिक मोहम्मद जायसी एवं अब्दुल रहीम खानखाना।

Scanned with CamScanner

6. मलिक मोहम्मद जायसी ने कौन-से प्रमुख ग्रंथ की रचना की?

उत्तर - मलिक मोहम्मद जायसी ने प्रमुख ग्रंथ 'पद्मावत' की रचना की।

7. अकबर की शासन सत्ता की क्या विशेषता रही?

उत्तर- अकबर ने जो शासन सत्ता कायम की वह इतनी मज़बूत थी कि दुर्बल उत्तराधिकारियों के बावजूद वह सौ वर्षों तक कायम रही।

8. 'अब्दुल रहीम खानखाना' की प्रसिद्धि का क्या कारण था?

'अब्दुल रहीम खानखाना' अकबर दरबार के अमीरों में से थे। ये अरबी, फारसी व संस्कृत तीनों भाषाओं के ज्ञाता थे। हिन्दी कविताओं में भी ऊँचा स्तर रखते थे। उनके लिखे दोहे वर्तमान में भी ख्याति पाते हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे स्वतंत्र-भाव से लिखते थे। मेवाड़ का राणा प्रताप जो सदा अकबर के खिलाफ़ रहे, उन्होंने मुगल साम्राज्य के समक्ष कभी हथियार न डाले, रहीम ने उनकी प्रशंसा में भी लिखा।